कौशल विकास

पवन हंस द्वारा कौशल भारत अभियान के अंतर्गत दो राष्ट्रीय संस्थानों यथा **पवन हंस हैलीकॉप्टर प्रशिक्षण संस्थान** (पीएचटीआई) तथा राष्ट्रीय विमानन संरक्षा एवं सेवाएं संस्थान (एनआईएएसएस) की स्थापना की गई है। हैलीकॉप्टर उद्योग में कौशल भारत अभियान को आगे बढ़ाने के लिए पवन हंस द्वारा रोहिणी, नई दिल्ली में राष्ट्र के पहले हैलीपोर्ट का निर्माण किया गया है। इस हैलीपोर्ट से सार्वजनिक यात्री सेवाओं, अनुरक्षण, मरम्मत एवं ओवरहॉल (एमआरओ) तथा पॉयलटों, विमान अनुरक्षण इंजीनियरों एवं तकनीशियनों के कौशल विकास केन्द्र के रूप में एक ही स्थान से सेवाएं प्रदान की जा सकेंगी।

राष्ट्रीय विमानन संरक्षा एवं सेवा संस्थान की स्थापना पवन हंस लिमिटेड के प्रयासों से की गई है । यह संस्थान एक ज्ञान भंडार के रूप में स्थापित है तथा सामान्य विमानन के क्षेत्र में यहां से हैलीकॉप्टर प्रचालकों, स्वामित्व धारकों एवं अन्य संगठनों को विमानन संरक्षा से संबंधित सेवाएं प्रदान किए जाने के साथ साथ सरकार एवं विनियामक एजेंसियों को देश में हैलीकॉप्टरों / विमानों के निर्बाध प्रचालन, अनुरक्षण एवं हैलीपोर्टों के विकास, अनुरक्षण सुविधाओं के संबंध में नियमों तथा विनियमों के निर्माण / कार्यान्वयन के लिए सहायता प्रदान की जाती है ।

संस्थान के प्रत्येक संकाय को सामान्य विमानन उद्योग के क्षेत्र में हमारी दृढ़ता, अनुकूलता एवं भावी चुनौतियों का सामना करने के प्रति दूरदर्शिता के अनुरूप निरूपित सर्वोत्कृष्ट प्रशिक्षण सत्यापित करने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को साकार रूप देने के लिए उड़ान, अनुरक्षण, ऑडिट, संरक्षा एवं गुणवत्ता आश्वासन के क्षेत्र के अनुभवी विशेषज्ञों की सेवाएं प्राप्त हैं ।

संस्थान द्वारा संचालित किए जाने वाले प्रशिक्षण पाठ्यक्रम उड़ान कर्मियों एवं प्रशिक्षण कार्मिकों के लिए अपेक्षित मूलभूत क्षमताओं का निर्माण करने एवं उद्योग को कार्यकुशल एवं संरक्षित निष्पादन के प्रति सक्षम बनाने के लिए ज्ञान समृद्ध विमानन व्यावसायिक उपलब्ध करवाने की आवश्यकताओं की पूर्ति करते हैं।

पवन हंस प्रशिक्षण संस्थान (पीएचटीआई)

विमानन उद्योग अब विश्व के उच्चतर तकनीकी क्षेत्र का स्वरूप धारण कर चुका है जिसके लिए इस क्षेत्र में कार्य करने वाले कार्य बल की विशेषज्ञता एवं निपुणता प्रतिदिन यात्रा करने वाले करोड़ों यात्रियों की संरक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण आवश्यकता बन गई है। इस क्षेत्र में नए प्रवेश करने वाले अब अपने ज्ञान का निरूपण पवन हंस प्रशिक्षण संस्थान के माध्यम से कर सकते हैं। इसके भविष्योन्मुखी नए प्रशिक्षण कार्यक्रमों में तकनीकी आजीविका के लिए वृहद प्रणाली स्थापित है जिसके अंतर्गत नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) की विमान अनुरक्षण इंजीनियर परीक्षा की तैयारी के लिए प्रदान की जाने वाली शिक्षा के विभिन्न स्तर प्रारम्भिक स्तर से दिए जाते है। इसका प्रमाणन उन महत्वाकांक्षी व्यावसायिकों का प्रारम्भ बिन्दु है जो गुणवत्ता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता उस वैधता के साथ पृष्ठांकित करना चाहते हैं जो विमान क्षेत्र के प्रमाण पत्रों से प्राप्त होती है।